27/03/24 पेशी से गिरकर पत्रावली आज पेशी में ली गई। वकील वादी या वादी स्वयं उपस्थित नहीं। बार-बार आवाज लगाने पर भी कोई उपस्थित नहीं हुए। अतः वादी का यह वाद पत्र अदम पैरवी-अदम हाजिरी में इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली बाद तरतीब तकमील होकर शामिल रिकार्ड हो।

निर्णय लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

Signature Not Verified
Digitally signed by Manoj Kumar Meena
Date: 2024.05.23 10:33:39 IST
Reason: SelfAttested

(मनोज कुमार मीणा)
RJ[illegible]